

=====

()

=====

()

=====

()

《 》

《 》

》

...

《

》

《

=====

()

《 》

《

》

:

.

.

=====

()

=====

()

...

«

»

«

»

»

«

»

:

«

»

«

«

»

...

«

»

=====

()

« »

« »

:

»

«

« »

:

..

..

..

« »

« »

...

=====

()

....

..

:

« »

....

» :

()

....

:

=====

()

« .

«

»

»

«

»

.

«

..

....

....

..

=====

()

×

()

=====

()

عبد الله
المطالع

عبد الرحمن
عبد الوهاب
عبد الصمد
عبد العزيز
عبد الحكيم
عبد الجبار
عبد الملك

عبد



صالح
خطايش الائمة الاثني عشرية السالم
تصنيف السيد الامام الرضا ذى العرشين
ابى الحسن محمد بن الحسين بن موسى القاسمي
رضى الله عنه

و ان كما نقل على ايج الروايع انه راجد في العلم
وعلى ايج اساطير انما قسم في مشا
روايتنا لدى اذ انتم تسعمل العمل
انتم سبب التتراج في ان الطور عماله سبب
في ان افضل اثر اثنى عشرى رضى الله عنه
وان ايدى قند على الكى لما اذما في روى في
و تسمى القند في حروف حروف
مما نقل في انما الامة في
ما روي حروف مطاوع الله

الى عبد الله
البربر

شهدت شهادة لا شك فيها بان الله ليس له شريك
وان محمد خيرا البرايا وبالقدر ان انزله الملك

=====

()

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ
كُنْتُ سَيِّئًا لِلَّهِ عَمَّا كُنْتُ لَكُمْ دُونَ ذِي قَوْلِي الْعَمِي
الظاهرة بيقينك سألته أن يصف لي كمالها
تستعمل على حصا من أخبار الأئمة الأئمة عشر
صلوات الله عليهم وزياراته وحبسه وحبسه
على من يسب آباءهم وتاريخ عتباتهم ذواتهم
مؤاليمهم ومثود أعمارهم وتواريخ وفاتهم ومع
صورهم وأسمايهم وأعمالهم ومقتضياتهم في كل يوم
لذات مؤالظهم من جوابات المسائل التي
سئلوها عنها واستخرجت أو لم يخرجها
من أخبار أجدادهم وظواهرهم ونوازلهم
وتبذيرهم الإحصاء على النسخ عليهم وحفظه
المترجمان في الإشارة إليهم مؤالظهم من ذلك
ما جردته الولي الخالص لخصاصه في مؤالظهم
وضمان عقدا في محبتهم والصدق عن عن عتباتهم
العمي وكشف عن قلبه العمي حتى يصف
لوازمه ويعتقونها وتسويح أسئلتهم
فتسبحها وتفتقها سالك في جميع ذلك
ظنوا الإحصاء وما لا عن جانب الأئمة الأئمة
سألت مؤالظي الظاهر من صلوات الله عليهم
لعمري لا تحصى العدد ولا تقف عند حد
لا يحصى بها إلى أمده فاني اعتقد أن جميع
لقد هو لا العزير الذي هم قول علي السلام

=====

وما من خلق من خلقه طمعه السلمة بعدة الزمان ما انبت
 من اولها عما وانها نبت في الاصل
 من حرامها فافانك من استخفى فيها فليس ومن انفق
 فيها خسر ومن ساعاها فانه ومن بعد عنها فانه
 فمن انصرفها فخرته ومن انصرف اليها اعنته وورثه
 انما الله من خاسب نفسه روح ومن عقل عنها
 حينئذ ومن خاف من ومن اعترف انصر ومن انصر
 فانه ومن فهم علمه وصدد بوجاهلنا بعلم
 المشرف الرضى ذو الحسنين فوالحسن رضيه
 له لا يرضى هذه الفيد المنكوبة الاقلمه الظلمه
 لا ذنبوا لكني لها المعه نائفة وحكمة بالعه
 ولا تخف ان يفسد الحكمة من تبوعه وزهره

في القصة
 في القصة
 في القصة

انما بعدة وبعثها

ما اصل الامه طمعه

وفرغ من كتبه العبد المذنب الراجي العفوان

وعفوه محمد الجبار بن الحسين بن ابي المرحوم الحاج

القراهاني الساكن بقريه خويمان عمره تسعون

الاربعه الرابع من شوال سنة ثمان مائة وثمانين وستم

هـ عونه له اوله

ولجميع المؤمنين والمؤمنات انه هو الغنى العظيم

اسندى عماد الدين سيد الاسلام لهي مال احمد بن محمد بن

ابن عبد العزيز قوامه اربعة عشر مائة وثمانين وستم

()

:

..

.

..

...

..

..

=====

()

()

« »

()

«

»

()

()

()

()

· · · · ·

: ()

()

=====

()

()

()

)

()

(

:

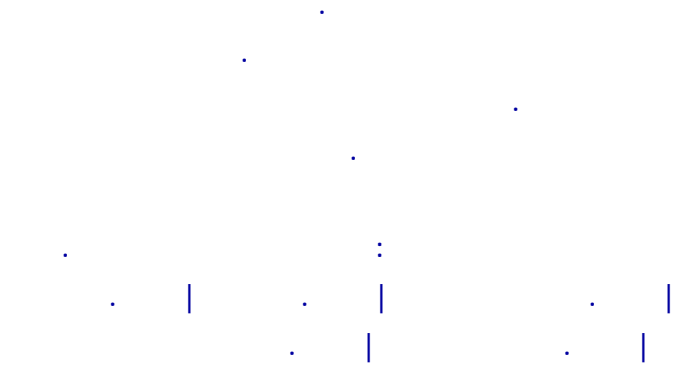
()

()

()

()

...



=====

()

. () ()

:

*

*

*

()

:

()

()

.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....

=====

()

()

:

*

()

*

.

:

*

*

· |
· |

=====

()

()

*

:

() ()

« »

)

(

()

:

*

· |
· |
· |

()

()
()
)

()

=====

()

()

(

« »

()

:

:

()

()

() « »

| | .

| .

=

=====

()

:

() ()

:

« »

:

:

()

=

: . | .
 : . | .
 . | . |

=====

()

()

:

()

« »

()

« »

« »

()

« »

« »

()

() « »

()

.	
.	
.	
.	
.	
.	

=====

()

»

()

« » «

()

« »

()

« »

:

:

:

:

()

.		.	
.		.	
.		.	

. | . | . | . |

=====

()

)

()

(

()

()

«

»

:

()

:

. |

. |

...

. |
. |

=====

()

()

()

《 》

()

: 《 》

《 》

: 《 》

. 《 》

. 《 》

. 《 》

. 《 》

=====

()

. 《 》

. 《 》 : 《 》

()

. 《 》

. 《 》

. 《 》

. 《 》

· « »
·
·
· « »
· « »
· « »
· « »
· « »

()

=====

()

()

:

()

« »

« »
»

:

« »

()

· | · |
·

=====

()

·

·

·

·

·

:()

(

):

=====

()

:

*

*

*

:

.				
		
.		
.		
.		

=====

()

«

»

()

:

=====

()

()

()

»

() «

:

=====

()

. | . : . | : . |

=====

()

()

()

()

=====

()

()

()

|

=====

()

:

:

:

:

=====

()

()

:

*

:

*

:

*

*

:

*

*

()

:

()

.

|

.

|

.

|

=====

()

:

*

*

:

*

*

()

*

()

.

()

:

*

()

*

()

:

*

*

*

*

. |

.

. |

.

()

....

()

*

:

:

:

|

.

:

:

:

:

:

:

:

:

.

:

..

:

:

:

:

..

:

:

:

..

:

....

.

:

:

.

|

.

|

.

|

.

|

.

|

.

|

.

.

|

.

|

.

|

.

.

=====

()

:

*

:
:

:

:

)

(

:

. () . () «

» :

. |

. |

. |

. |

. |

=====

()

:

:

:

:

:

=====

()

):

()

(

*

:

):

() (

()

:

()

|

|

· | · | · · |

=====

()

:

*

()

:

:

:

:

:

()

:

:

..

:

.

:

:

:

:

.

.

:

:

:

:

:

=====

()

.

:

:

:

:

.

.

:

:

*

()

:

:

:

:

:

:

_____ |

=====

()

:

()

:

:

:

:

* ()

* :

. | . | . |
 . () :
 . : . : . : . :
 . : . : . : . :
 . : . : . : . :
 . : . : . : . :

=====

()

()

*

*

* ()

*

*

*

. *
 :

*

*

*

()

*

:

:

: ()

:

:

()

:

.
.
:
|

*

| . |

. | .
:

=====

()

:

:

()

:

()

:

*

:

:

:

:

()

:

:

∴

∴

∴

()

*

∴

∴

∴

()

∴

()

∴ ()

∴ |

∴ |

∴ |

∴ |

∴ |

|

∴ |

∴

∴ |

∴ |

|

∴ |

∴ |

∴

;()

()

:

:

.

:

:

:

:

:

.

:

:

()

.



:

...

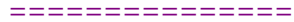
. |

. |

. |

. |

. |
. |



()

:

:

:

:

:

():

:

()

:

:

:

:

:

:

.

*

()

. | . |

.

. | . | . |

=====

()

:

:

()

:

*

:

:

:

()

:

.

.

:

:

:

*

:

() (

)

()

()

:

=====

()

()

()

()

=====

()

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

=====

()

()

:

:

*

:

:

:

:

:

:

:

()

:

()

:

*

:

· | : · | | · | · | · | · | · | · |

..

·

=====

()

·

:

*

:

: · :

:

:

:

:

: :

()

: :

*

()

:

:

:

()

:

· | · | · | · | · | · | · | · |

: | : | · | · | · | · | · | · |

=====

()

:

()

:

()

:

:

:

:

*

*

...

:

()

.

.

:

:

|

.

|

.

|

.

|

.

|

.

|

=====

()

)

.

(

*

()

=====

()

*

·
:

·

:

·

:

·

:

=====

()

:

:

:

()

:

:

:

*

*

*

()

*

· |

· |

· |

· |

. | . | . |

=====

()

:

:

()

:

:

()

:

. | . | . |
. | . | . |

=====

()

:

:

:

:

:

:

*

*

:

()

*

:

*

: ()

.
.

. | . |
... | . |

=====

()

*

()

*

. | . | . | . | . | _____

() () :

() :

:

):

() ()
()

. |

()

. |

.

.

....

=====

()

:

:

:

:

:

:

:

=====

()

:

.

*

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

=====

()

:

:

:

*

)

() (

*

()

|
|

=====

()

()

* * *

*

:

:

)

()

()

(

. | .
.
.

|
:
:
:
.

=====

()

()

()

()

()

()

:

()

*

*

*

*

() ()

()

=====

()

:

:

:

:

()

:

:

()

· | | · |

=====

()

· :
:

()

:

:

()

: :

()

:

:

()

:

:

· | | · | |
· | | · | |
· | | · | |

=====

()

()

(

):

()

. |

. |

. |

. |
|

=====

()

: .

: .

: .

: .

: .

()

:

:

()

:

:

:

:

. |

()

:

:

:

:

.

:

:

:

:

.

.

:

:

:

.

|

.

|

.

|

=====

()

:

.

:

:

:

:

:

:

:

:

()

:

:

:

:

:

:

:

:

:

()

:

:

()

. | . | .

:
. | . |

=====

()

:

:

()

:

:

:

:

:

. ()

:

:

:

:

. ()

. |

. |

.

. | ()

. |

|

.

=====

()

:

*

:

:

. ()

:

:

:

()

:

:

:

:

:

:

:

()

:

:

· |

· |

|

·

:
 :
):
 :
 () ():
 ()
 :

. | . | . |
 =====
 ()

:
 ()
 . |
 =====
 ()

1. 凡在中华人民共和国境内从事生产经营活动的
 单位和个人，均应当依照本法和有关法律、
 行政法规的规定，缴纳增值税。
 2. 增值税的税率
 3. 增值税的计税依据
 4. 增值税的纳税义务发生时间
 5. 增值税的纳税期限
 6. 增值税的纳税地点
 7. 增值税的征收管理
 8. 违反本法和有关法规规定的行为及其法律责任

=====

()

1. 凡在中华人民共和国境内从事生产经营活动的
 单位和个人，均应当依照本法和有关法律、
 行政法规的规定，缴纳增值税。
 2. 增值税的税率
 3. 增值税的计税依据
 4. 增值税的纳税义务发生时间
 5. 增值税的纳税期限
 6. 增值税的纳税地点
 7. 增值税的征收管理
 8. 违反本法和有关法规规定的行为及其法律责任

()

=====

()

=====

()

:
:

:
:

: :

:

·
:

·

:

:

:

:

:

:

:

:

:

:

. ()

·
:

· | ()

. ()

· |

=====

()

:

. () (

)

· |

· |

=====

()

.

:

()

:

()

:

.

:

()

:

()

:

. | . | . |

. | . | . |

=====

()

:

()

:

()

:

()

« »

:

()

:

)

()

.

:

:

:

()

:

:

. |

. |

. |

. |

. |

. |

. |

=====

()

()

()

:

:

()

:

()

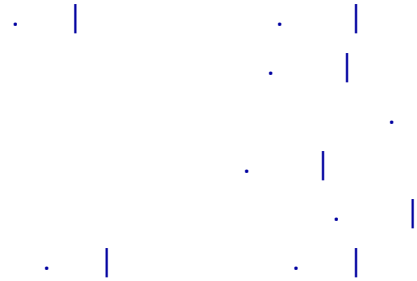
:

()

:

()

:



=====

()

()

:

:

:

:

)

()

() (

:

()

()

()

:
:
:

=====

()

()

()

:
:

()

:

()

:

()

· | · | · |
 · | · | · |
 · | · | · |
 · | · | · |
 · | · | · |

=====

()

()

: *

:

() ()

:

()

:

()

:

· | · | · |
 · | · | · |
 · | · | · |
 · | · | · |

=====

()

()

:

:

()

:

()

()

:

:

()

:

()

:

|

|

|

|

|

|

=====

()

()

()

:
:

()

:
:

()

()

:
:

() ()

) :

() ()

)

() ()

)

· |
· |
· |
· |
· |
· |
· |

· |

=====

()

:

:

()

:

: *

. ()

. ()

:



=====

()

)

:

. (

. ()

:

:

. ()

. ()

:

:

):

. () (

):

()

.		.	
.		.	
.		.	
.		.	
.		.	
.		.	
.		.	
.		.	

=====

()

.	:	.
.	:	.
.	:	.
.	:	.
.	:	.
.	:	.
.	:	.
.	:	.

*

()

=====

()

()

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

|

|

|

|

|

|

|

|

|

|

|

|

|

|

=====

()

. () :
. () :
. () :
. () :
. () :
. () :
. () :
. () :
. () :
. () :
. () :
. () :
. () :
. () :
. () :
. () :



Table with 2 columns and 10 rows of vertical bars

•
•

•
•

. () ()
 . () :
 . () :
 . () :
 . () :
 . () :
 . () :

. (|) . | . |
 . | . |
 . | . |
 . | . |
 . | . |
 . | . |

=====
 ()

. () :
 . () :

. :
 . :
 . :
 . :

()

:

()

()

:

()

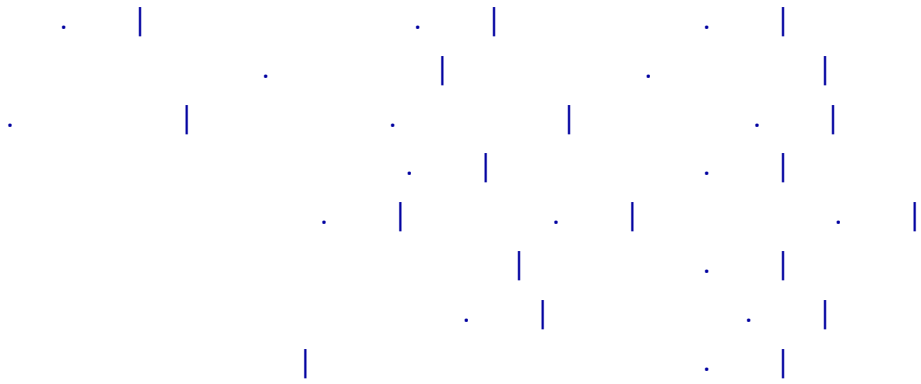
:

()

:

()

:



=====

()

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

()

:

() :

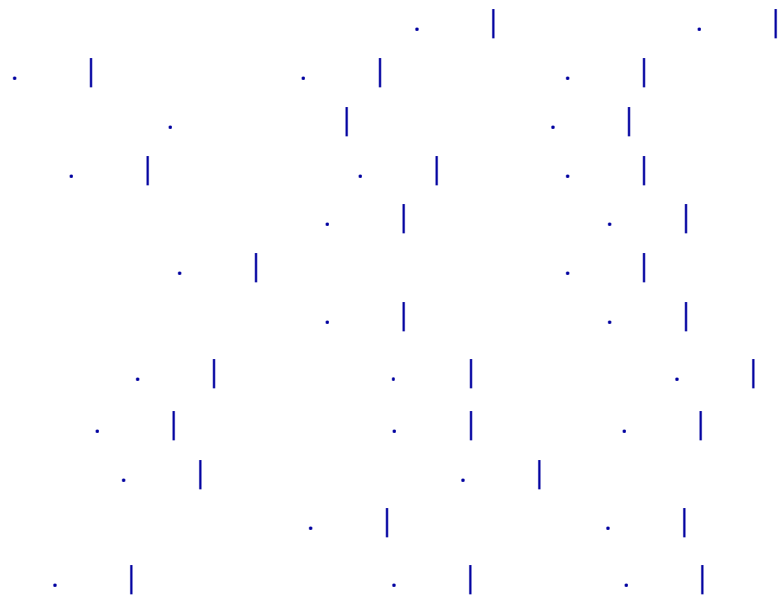
() :

() :

() :

() :

() :



=====

()

() :

() :

() :

:

*

()

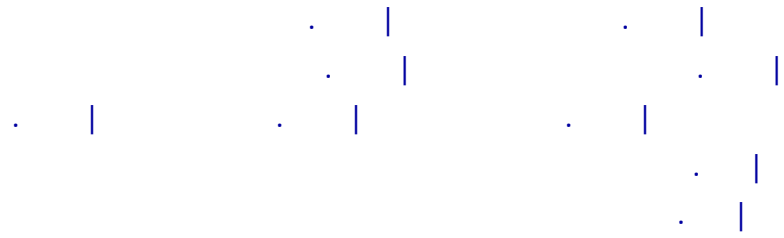
*

.
..
) : () (

)
(
) : :
() (

:

:



=====

()

.
() :
:
:
() :
() :
) :
()

()

:

:

:

:

()

.

:

()

:

. |

. | .

|

. | .

. | .

. | .

. | .

. | .

. | .

=====

()

()

:

!

!

()

:

:

()

()

:

:

:

:
()
:

· | · | · | · |
· | · | · | · |
: | · | · | · |
· | · | · | · |
· | · | · | · |

=====

()

()
:
:
()
:

()

()
:

:

:

:

()

!

!

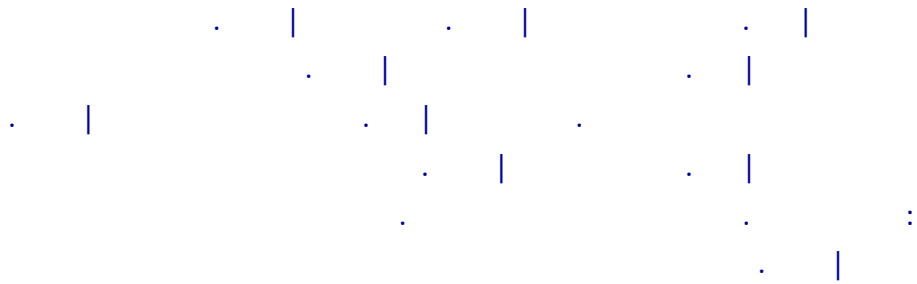
:

*

!

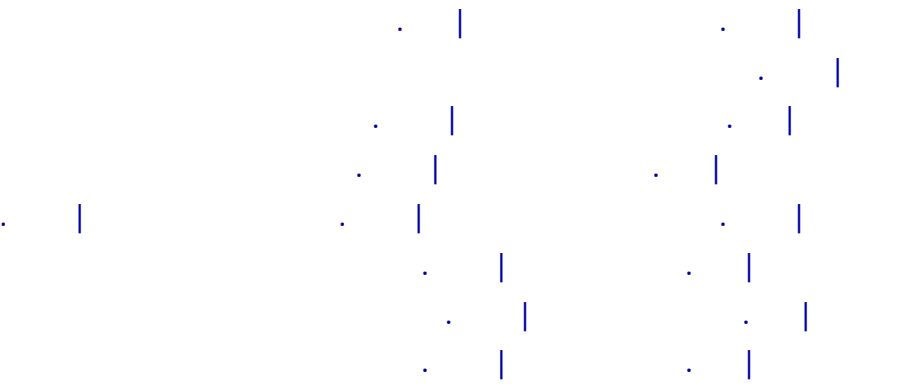
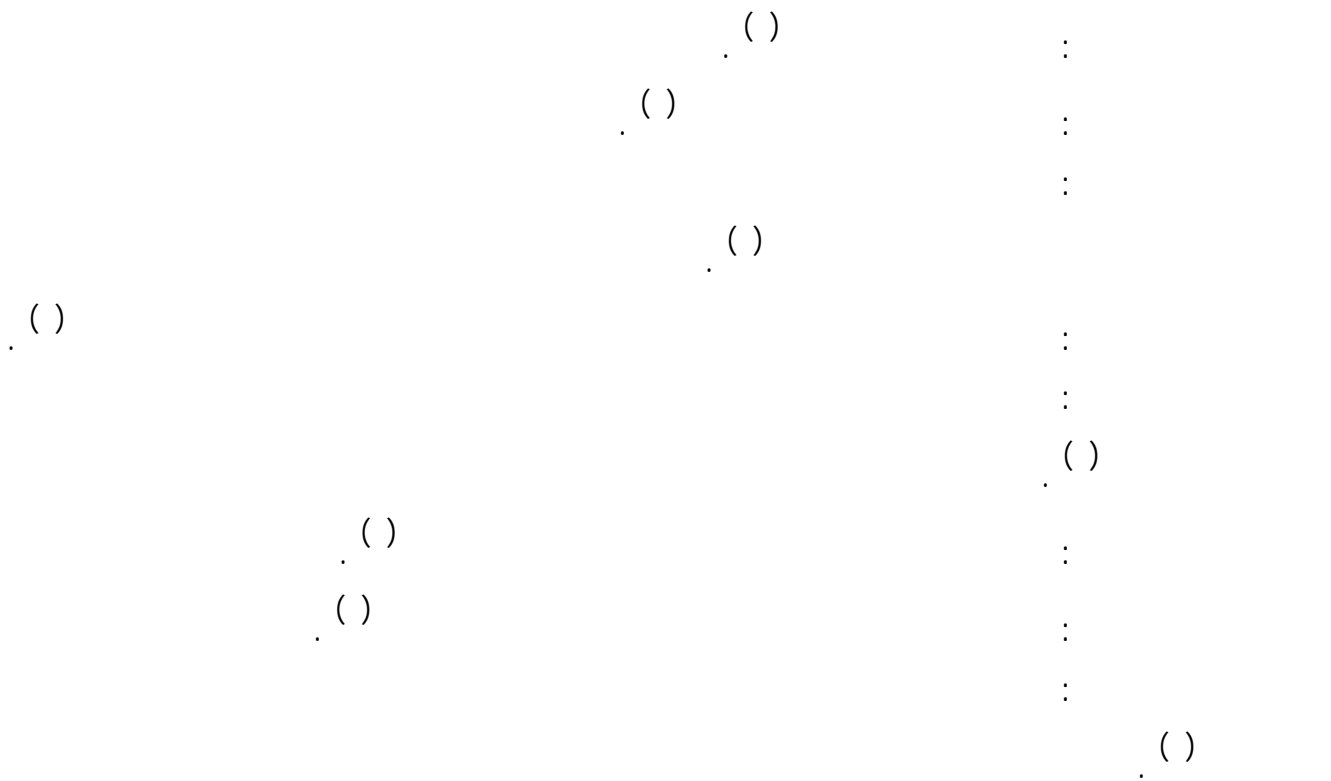
()

()



=====

()



=====

()

:

:

=====

()

:

=====

()

()

()

|

|

|
()

. | . |

=====

()

()

* * * * *

:

()

()

. | . | . |

:

. |

=====

()

=====

()

)

(

:

=====

()

()

:

=====

()

* * *

=====

()

() ()

()

:

:

() () :

()

:

:

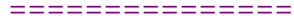
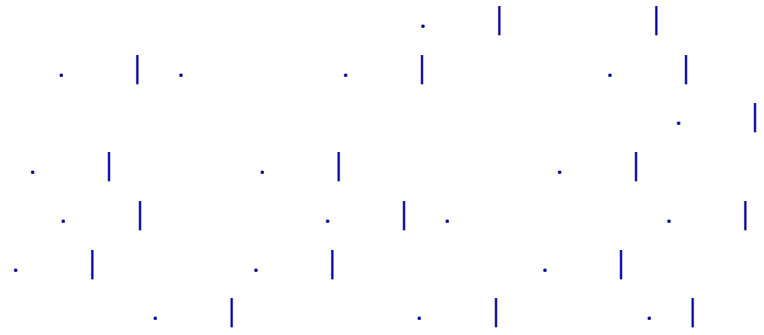
()

()

:

()

:



()

()

:

)

:

()

()

:

:

()

()

:

()

:

- المقدمة
- ترجمة الشريف الرضي
- ترجمة السيد فضل الله الراوندي
- مقدمة المؤلف السيد الرضي
- خصائص أمير المؤمنين عليه السلام
- فضل زيارته عليه السلام
- طرف من الاحتجاج للنص عليه عليه السلام
- الأشعار في نص النبيّ على أمير المؤمنين عليه السلام في يوم الغدير
- معجزته عليه السلام مع الخارجي
- إجتيازه عليه السلام من كربلاء
- قصة صاحب المواشي مع عمر ، وكرامة أمير المؤمنين عليه السلام
- حديث النوق التي خرجت من الصخرة
- قصيدة الحميري البائية
- إخباره بعدم موت خالد بن عرفطة
- بيعة أويس القرني في صفين
- خبر ميثم التمار
- علمه عليه السلام بالتنزيل
- حديث ردّ الشّمس
- حديث قميص هارون
- ردّه عليه السلام لطغيان الفرات
- حديثه عليه السلام مع ابن الكواء في مبيته على فراش رسول الله صلّى الله عليه وآله وسلم
- إخباره عليه السلام ، المخدع ذي الثّدية
- قتال الخوارج بالنهروان
- خروج طلحة والزبير على أمير المؤمنين عليه السلام
- حديث سلونني قبل أن تفقدوني
- إخباره عليه السلام بقتل الحسين عليه السلام
- إخباره عليه السلام إبنته زينب بمقتله ليلة قتله
- حديث وفاة فاطمة بنت أسد
- في تلقين النبيّ (ص) لفاطمة بنت أسد
- لقبه بأمرير المؤمنين عليه السلام
- شرحه عليه السلام أسماء أجداده
- وصف ضرار بن ضمرة

- في وصية النبيّ (ص) لأمير المؤمنين عليه السلام
- عائشة تأمر عمر بالصلاة في الناس
- خروج النبيّ (ص) للصلاة
- خطبته (ص) بعد الصلاة وفيها الوصية لعليّ عليه السلام
- ابن عباس يصف عليّاً عليه السلام
- عليّ عليه السلام أحق بالخلافة
- تسليم النبيّ (ص) في حياته درعه ، وسيفه ، وبغلتة لعليّ (ع)
- خطبة الإمام الحسن عند إستشهاد والده عليهما السلام
- المنتخب من قضاياها ، وجوابات المسائل
- حديث شارب الخمر مع أبي بكر
- عمر بن الخطاب والأنصاري
- الغلام الذي نفته أمّه
- حديث لولا عليّ لهلك عمر
- حديث الرجلين المطلقين ثلاثاً
- طريقة عليّ عليه السلام في قطع يد السارق
- حديث المملوكين
- حديث من رمى فأصاب رباعية انسان
- قوله عليه السلام : إجتحوا بالشجرة واضعوا الثمرة
- المسائل التي سئل عنها عليه السلام
- مسائل إبن الكواء
- مسائل كعب الأخبار
- مسائل أسقف نجران من عمر وإجابته عليه السلام له
- كلماته القصار
- التعاون مع الظلمة
- كلامه مع أهل القبور
- وصيته لكميل بن زياد الأسدي
- كلامه لما ضربه إبن ملجم المرادي
- كلامه في وصف الكوفة
- وصيته لإبنه الإمام الحسن عليه السلام
- كلامه في صفة الدينا
- الزيادات